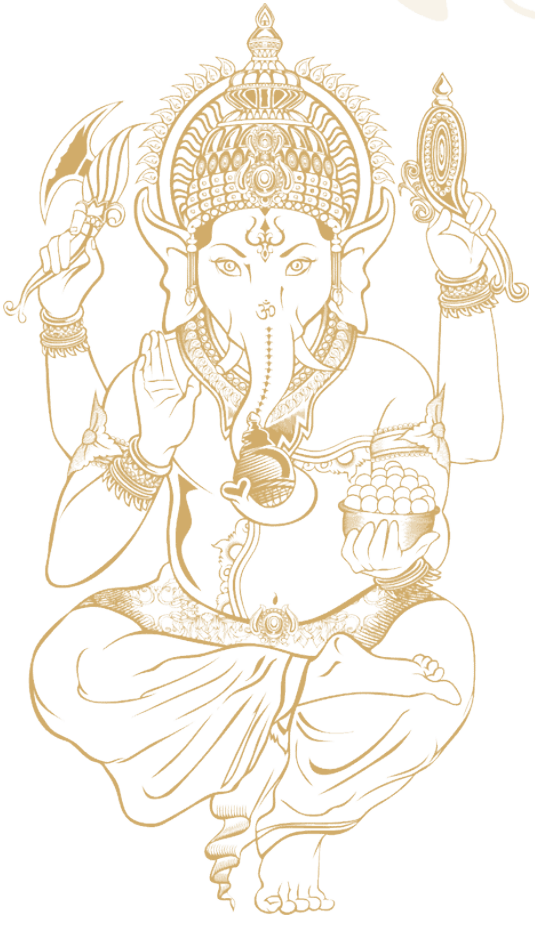

Harsh tiwari

09 Sep 1999

10:58 PM

Kanpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121115902

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**09/09/1999**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**22:58:00 घंटे**
इष्ट	42:45:58 घटी
स्थान	**Kanpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:27:00 उत्तर
रेखांश	80:19:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:08:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	22:49:16 घंटे
वेलान्तर	00:02:27 घंटे
साम्पातिक काल	22:02:33 घंटे
सूर्योदय	05:51:36 घंटे
सूर्यास्त	18:20:25 घंटे
दिनमान	12:28:49 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	22:44:29 सिंह
लग्न के अंश	20:01:17 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**पू०फाल्गुनी - 3**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	साध्य
करण	नाग
गण	मनुष्य
योनि	मूषक
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	टी-टीकम
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	20:01:17	359:27:50	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	केतु	---
सूर्य			सिंह	22:44:29	00:58:19	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	स्वराशि
चंद्र			सिंह	20:24:08	13:16:35	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
मंगल			वृश्चि	10:32:20	00:38:39	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	सूर्य	स्वराशि
बुध		अ	सिंह	23:45:18	01:52:49	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	शनि	मित्र राशि
गुरु	व		मेष	10:43:58	00:03:06	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	मित्र राशि
शुक्र	व		कर्क	24:58:16	00:03:02	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	शत्रु राशि
शनि	व		मेष	23:13:51	00:01:08	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	नीच राशि
राहु	व		कर्क	18:49:49	00:03:56	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	केतु	शत्रु राशि
केतु	व		मक	18:49:49	00:03:56	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	19:44:52	00:01:53	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	केतु	---
नेप	व		मक	08:02:57	00:01:02	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो			वृश्चि	14:01:04	00:00:43	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	---
दशम भाव			कुंभ	04:37:39	--	धनिष्ठा	--	23	शनि	मंगल	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:57

लग्न-चलित

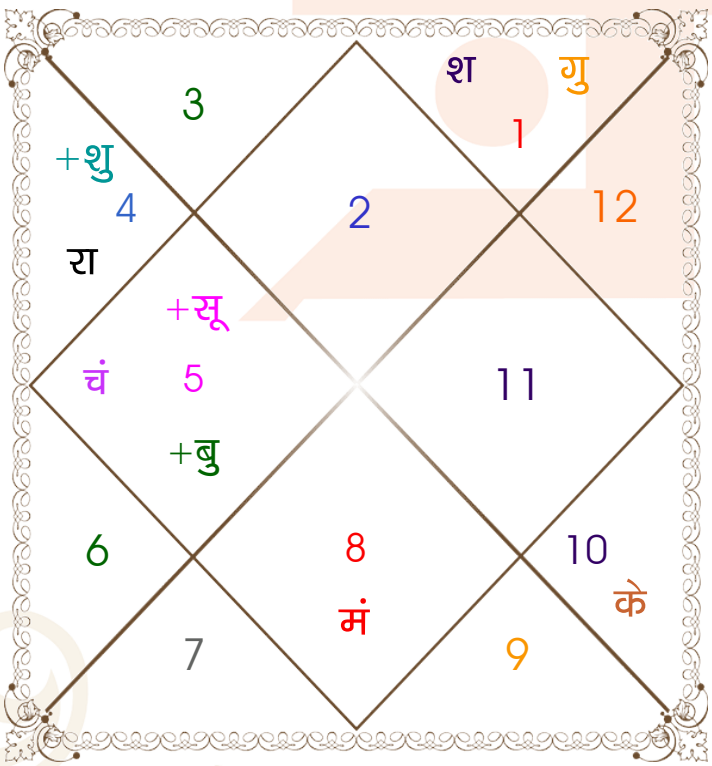

चन्द्र कुंडली

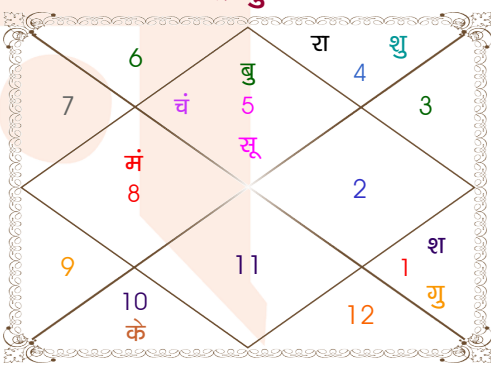

नवमांश कुंडली

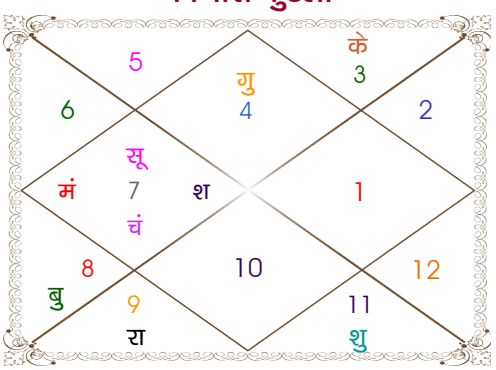

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 9 वर्ष 4 मास 23 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
09/09/1999		01/02/2009		01/02/2015		01/02/2025		01/02/2032	
01/02/2009		01/02/2015		01/02/2025		01/02/2032		01/02/2050	
	00/00/0000	सूर्य	21/05/2009	चंद्र	03/12/2015	मंगल	30/06/2025	राहु	15/10/2034
	00/00/0000	चंद्र	20/11/2009	मंगल	03/07/2016	राहु	18/07/2026	गुरु	09/03/2037
	00/00/0000	मंगल	28/03/2010	राहु	01/01/2018	गुरु	24/06/2027	शनि	14/01/2040
	00/00/0000	राहु	19/02/2011	गुरु	03/05/2019	शनि	02/08/2028	बुध	03/08/2042
	09/09/1999	गुरु	09/12/2011	शनि	02/12/2020	बुध	30/07/2029	केतु	21/08/2043
गुरु	02/12/2001	शनि	20/11/2012	बुध	03/05/2022	केतु	26/12/2029	शुक्र	21/08/2046
शनि	01/02/2005	बुध	26/09/2013	केतु	02/12/2022	शुक्र	26/02/2031	सूर्य	16/07/2047
बुध	03/12/2007	केतु	01/02/2014	शुक्र	02/08/2024	सूर्य	03/07/2031	चंद्र	13/01/2049
केतु	01/02/2009	शुक्र	01/02/2015	सूर्य	01/02/2025	चंद्र	01/02/2032	मंगल	01/02/2050

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
01/02/2050		01/02/2066		01/02/2085		02/02/2102		02/02/2109	
01/02/2066		01/02/2085		02/02/2102		02/02/2109		00/00/0000	
गुरु	21/03/2052	शनि	04/02/2069	बुध	30/06/2087	केतु	01/07/2102	शुक्र	03/06/2112
शनि	02/10/2054	बुध	15/10/2071	केतु	27/06/2088	शुक्र	31/08/2103	सूर्य	03/06/2113
बुध	07/01/2057	केतु	23/11/2072	शुक्र	27/04/2091	सूर्य	06/01/2104	चंद्र	02/02/2115
केतु	14/12/2057	शुक्र	23/01/2076	सूर्य	03/03/2092	चंद्र	06/08/2104	मंगल	03/04/2116
शुक्र	14/08/2060	सूर्य	04/01/2077	चंद्र	02/08/2093	मंगल	02/01/2105	राहु	04/04/2119
सूर्य	02/06/2061	चंद्र	06/08/2078	मंगल	30/07/2094	राहु	21/01/2106	गुरु	10/09/2119
चंद्र	02/10/2062	मंगल	14/09/2079	राहु	16/02/2097	गुरु	28/12/2106		00/00/0000
मंगल	08/09/2063	राहु	21/07/2082	गुरु	25/05/2099	शनि	05/02/2108		00/00/0000
राहु	01/02/2066	गुरु	01/02/2085	शनि	02/02/2102	बुध	02/02/2109		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 9 वर्ष 5 मा 9 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रोहिणी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृष लग्न के उदित काल, कर्क नवमांश एवं मकर द्रेष्काण में हुआ था। आप आश्चर्यजनक उत्साह, आत्मिक शक्ति से युक्त है। आप अपने उद्देश्य की प्राप्ति में शिला के समान स्थिर रह कर, सांसारिक सुख एवं भोग विलास युक्त जीवन प्राप्त करेंगे।

आप सदैव उद्देश्य की तलाश में अपने लक्ष्य की ओर निश्चित रूप से बढ़ते रहेंगे। आप अपना महत्वपूर्ण कीर्ति स्तंभ निसंदेह रूप से स्थापित करेंगे, क्योंकि आप अपनी योजना के द्वारा ही अपनी कार्य व्यवस्था को उपयुक्त कर लेंगे। आप कभी भी छलांग नही लगाते। आप समय की प्रतिक्षा करते हैं। समय आने पर पूर्वनिर्धारित योजना के अनुरुप कार्य करते हैं। जब आप अपना लक्ष्य निर्धारित कर कार्यारंभ करते हैं तो निश्चित रूप से सभी विषयों की ओर से विमुख होकर, अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु प्रयत्नशील रहते हैं। आप अपने अपरिवर्तित लक्ष्य के प्रति आश्वस्त होकर सफलता पूर्वक प्राप्त कर लेते हैं। क्योंकि आप दिवा स्वप्न द्रष्टा नही हैं। बल्कि कठिन श्रम करके उत्साहपूर्वक उपलब्धि प्राप्त करते हैं। परिणाम रुवरूप आप यथेष्ठ रूप से भौतिकी लाभ बिना किसी भी प्रकार की हानि अथवा बिना अपव्यय किए ही प्राप्त कर लेंगे। आप अपनी धन लोलुप्ता के प्रभाव से तथा कंजूसी से अपने धन संपत्ति में वृद्धि प्राप्त करेंगे।

आप प्रेम संबंधित क्षेत्र में सांसारिक सुख भोग एव विलासिता संबंधी आनंद प्राप्ति हेतु धन व्यय करेंगे। आप यदि समय-समय पर आलस्य करना त्याग दें तो सहजता पूर्वक आनंदमय जीवन की स्थापना कर सकते हैं। अर्थात अपना जीवन आनंदमय बना सकते हैं।

आप में इस बात का अभाव है कि आप अपनी धन प्राप्ति संबंधित महत्वकांक्षा को पूरा करने में असफल हो जाते हैं।

आप शारीरिक रूप से सामान्य कद के गोल-मटोल, मांसल अंगों से युक्त, देहधारी प्राणी हैं। प्रमुख रूप से आपका मस्तक बड़ा एवं आंखे आकर्षक हैं।

आप अपने व्यवसाय के प्रति अभिरूचि युक्त, निष्ठावान होकर धनोपार्जन हेतु शक्ति संपन्नता से व्यस्त, बिना किसी भी व्यवधान के तथा बिना भ्रमित हुए, निर्विवाद होकर सफलता प्राप्ति हेतु व्यस्त रहेंगे।

परंतु यदि आपका कोई शत्रु गलत तरीके से आपके कार्य में बाधा उत्पन्न करता है, तो आप पीछे उलटकर उस पर सांढ़ की तरह क्रोधित होकर कठिन प्रहार करेंगे।

आप शांतिपूर्वक अपने पारिवारिक स्नेहिल जीवन को आरामदायक एवं प्रिय बनाकर रहेंगे।

आप अपने परिवार को अच्छि प्रकार स्थापित करने के मार्ग पर अग्रसर होकर अपने परिवार एवं अपने दांपत्य जीवन के वातावरण को सुखद बनाने के लिए सभी व्यवस्था करेंगे।

आपका स्वभाव वृषभ राशीय है। आपका स्वास्थ्य उत्तम एवं शरीर हृष्ट-पुष्ट है। परंतु आप स्वभाव से अति संवेदनशील, तथा किसी भी प्रकार के दर्द के प्रति कठिनाई अनुभव करने वाले हैं। यदि आप शारीरिक रूप से किसी भी प्रकार की असमर्थता अनुभव किया तो किसी तरह अंगहीन हो सकते हैं। संप्रति आपकी क्षमता ऐसी है कि आप सामान्य और सीमित रोगों का सामना कर सकते हैं। परंतु आप में शीघ्रता पूर्वक स्वास्थ्य लाभ करने की शक्ति नहीं है। फलस्वरूप आपको पूर्णरूपेण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करने में विलंब हो सकता है। आप किसी भी प्रकार से सुरक्षित कार्य संपादन में विश्वास रखने वाली प्राणी हैं तथा ऐसा ही करती हैं। सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

आपके लिए अनुकूल रंग गुलाबी सफेद एवं हरा रंग उत्तमता का प्रतीक है। आपके लिए लाल रंग अच्छा नहीं है। अतः आप लाल रंग को अपघात सूचक समझें।